कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (66) खण्ड - {131}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- एक शिवबाबा को ही याद करना है। किसी .... को नहीं ?

A- और

B- मनुष्य

C- देवता

D- देहधारी

प्रश्न 2- जो समय पर सहयोगी बनते हैं। उन्हें ?

A- दुआयें मिलेगी।

B- एक का पदमगुणा फल मिल जाता है।

C- महादानी कहेंगे।

D- उन्हें अनेकों का सहयोग प्रप्त होता है।

प्रश्न 3- गायन भी है अम्मा मरे तो भी हलुआ खाना....... समझो कोई भी मर जाता है -

A- फिक्र की बात नहीं होती।

B- क्योंकि यह ड्रामा अनादि बना हुआ है।

C- ड्रामानुसार उनको इस समय जाना ही था, इसमें कर ही क्या सकते हैं। ज़रा भी दुःखी होने की बात नहीं।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- अन्त में कौन आयेंगे, बाप को याद करने लग पडेंगे ?

A- जो भी इस धर्म के होंगे

B- ढेर मनुष्य

C- संन्यासी

D- नामीग्रामी

प्रश्न 5- बाप के मददगार बनने का सबसे सहज उपाय है -

A- सबका कल्याण करना है

B- बाप कहते हैं मुझे निरन्तर याद करो

C- सर्विस करना

D- तीन पैर पृथ्वी के देना

प्रश्न 6- युक्तियुक्त वा यथार्थ सेवा का प्रत्यक्षफल है ......

A- पुरुषार्थ

B- खुशी

C- सदा विजयी

D- निर्विघ्न

प्रश्न 7- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए -

A- दुर्गा

B- लक्ष्मी

C- काली

D- सरस्वती

प्रश्न 8- गृहस्थ व्यवहार में रहो तो क्या जरुरी नहीं है -

A- भल रंगीन कपड़े पहनो।

B- सफेद कपड़े पहनो।

C- ट्रस्टी बनो।

D- बच्ची अगर ज्ञान में नहीं चलती है, शादी करना चाहती है तो कर दो।

प्रश्न 9- स्वास्तिका का भी महत्व क्यों है ?

A- युग बिल्कुल इक्वल हैं, इसलिए

B- खाता जो बनाते हैं तो उसमें स्वास्तिका बनाते हैं, इसलिए

C- बाप कहते हैं मैं 5-5 हज़ार वर्ष बाद आता हूँ, इसलिए

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- बाबा ने समझाया है कि सबसे जास्ती जन्म कौन लेंगे ?

A- जिन्होंने शुरू से भक्ति की है

B- सूर्यवंशी

C- ज्ञान को बड़ी रूचि से सुनेंगे वह

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- कौनसे सतोप्रधान देवताओं के चित्र खड़े हैं ? गायन भी उन्हों का है।

A- लक्ष्मी-नारायण

B- राम सीता

C- ब्रह्मा विष्णु शंकर

D- A और B

प्रश्न 12- संन्यासियों के सम्बन्ध में कौन सा कथन सत्य है ?

A- निवृत्ति मार्ग वाले होते हैं।

B- मन्दिर नहीं बनाते हैं।

C- ब्रह्म तत्व को याद करते हैं।

D- A और C

E- A, B और C

प्रश्न 13- .... से ही सद्गति होती है ?

A- सतगुरू से

B- ज्ञान से

C- भगवान से

D- टीचर से

प्रश्न 14- शिवबाबा हैं ?

A- सर्व का सद्गति दाता

B- पारलौकिक बाप

C- अलौकिक वन्डरफुल बाप

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 15- कौन सी आवाज़ सभी के कानों तक अवश्य जायेगा ?

A- भगवान आ चुका है।

B- ज्ञान सांगर भगवान आया हुआ है।

C- भगवान एक है।

D- भगवान निराकार है।

प्रश्न 16- बाप का बनकर फिर अगर लूनपानी होते रहते हैं तो -

A- सौगुणा सजा खायेंगे

B- बगुला बनेंगे

C- पद भ्रष्ट होगा

D- विकर्मों का बोझा चढ़ जायेगा

भाग (66) खण्ड {131} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.देहधारी*

इन आंखों से जो कुछ दिखाई देता है - यह सब कब्रदाखिल होना है इसलिए इसको देखते भी नहीं देखना है। *एक शिवबाबा को ही याद करना है। किसी देहधारी को नहीं।*

उत्तर 2- *B.एक का पदमगुणा फल मिल जाता है*

स्लोगन:- *जो समय पर सहयोगी बनते हैं उन्हें एक का पदमगुणा फल मिल जाता है।*

उत्तर 3- *D.उपरोक्त सभी*

एक बाप के सिवाए और किसी से लगाव न हो, कोई भी मरे वा जिये। गायन भी है अम्मा मरे तो भी हलुआ खाना....... *समझो कोई भी मर जाता है, फिक्र

की बात नहीं होती क्योंकि यह ड्रामा अनादि बना हुआ है। ड्रामानुसार उनको इस समय जाना ही था, इसमें कर ही क्या सकते हैं।* ज़रा भी दु:खी होने की बात नहीं। यह है योगबल की अवस्था।

उत्तर 4- *C.संन्यासी*

आगे चल तुम समझेंगे अब लड़ाई जोर हो जायेगी फिर ढेर तुम्हारे पास आते रहेंगे। महिमा बढ़ती जायेगी। *अन्त में संन्यासी भी आयेंगे, बाप को याद करने लग पड़ेंगे।* उनका पार्ट ही मुक्तिधाम में जाने का है। नॉलेज तो लेंगे नहीं। तुम्हारा मैसेज सभी आत्माओं तक पहुँचना है, अखबारों द्वारा बहुत सुनेंगे।

उत्तर 5 - *C.सर्विस करना*

*शिवबाबा के साथ जिन आत्माओं की प्रीत होगी वह जरूर मददगार होंगे। शिवबाबा के साथ वह सर्विस

करते रहेंगे*। प्रीत नहीं है तो गोया विपरीत हो जाते हैं, जितनी प्रीत उतना सर्विस में मददगार बनेंगे।

उत्तर 6- *B.ख़ुशी*

स्लोगन:- *युक्तियुक्त वा यथार्थ सेवा का प्रत्यक्षफल है खुशी।*

उत्तर 7- *B.लक्ष्मी*

भक्ति मार्ग में तो अथाह चित्र हैं। देवियों आदि की पूजा भी बहुत होती है। *दुर्गा, काली, सरस्वती है तो एक ही परन्तु नाम कितने रख दिये हैं। लक्ष्मी नारायण सतयुग में होते हैं*।जो अच्छा पुरूषार्थ करते होंगे, अनन्य होंगे उनकी पूजा भी जास्ती होगी।

उत्तर 8- *B.सफेद कपड़े पहनो*

अभी तुम बच्चे बाप के सम्मुख बैठे हो। गृहस्थ व्यवहार में भी तो बहुत ही रहते हैं। सबको यहाँ तो नहीं बैठना है। *गृहस्थ व्यवहार में रहो, भल रंगीन कपड़े पहनो, कौन कहता है सफेद कपड़े पहनो। बाबा ने कभी किसको कहा नहीं है।* तुमको अच्छा नहीं लगता है तब सफेद कपड़े पहने हैं।

उत्तर 9- *A.युग बिल्कुल इक्वल है*

बाप कहते हैं मैं 5-5 हज़ार वर्ष बाद आता हूँ। *यह 4 युग बिल्कुल इक्वल हैं। स्वास्तिका का भी महत्व है ना।* खाता जो बनाते हैं तो उसमें स्वास्तिका बनाते हैं। यह भी खाता है ना।

उत्तर10 - *D.उपरोक्त सभी*

वो सूर्यवंशी आत्मायें जिन्होंने शुरू से भक्ति की है, जिन्होंने सबसे ज्यादा 84 जन्म लिए हैं, वह तुम्हारे ज्ञान को बड़ी रूचि से सुनेंगे, इशारे से समझ जायेंगे"

उत्तर 11- *A.लक्ष्मी-नारायण*

सतोप्रधान देवतायें लक्ष्मी-नारायण के चित्र खड़े हैं। गायन भी उन्हों का है। शान्तिधाम, सुखधाम जाने के लिए मनुष्य कितना माथा मारते हैं। यह थोड़ेही कोई जानते हैं - भगवान कैसे आकर भक्ति का फल हमको देगा। *राम सीता भी सतो में आते हैं*

उत्तर12 - *E .A, B और C*

संन्यासी तो हैं निवृत्ति मार्ग वाले, वास्तव में उन्हों को तो जंगल में रहना है। पहले-पहले ऋषि-मुनि आदि सब जंगल में रहते थे, वह सतोप्रधान ताकत थी, तो मनुष्यों को खींचते थे। *संन्यासियों के कभी मन्दिर नहीं बनाते हैं*। मन्दिर हमेशा देवताओं के बनाते हैं। *उनका तो ज्ञान ही है ब्रह्म तत्व को याद करने का।*

उत्तर 13- *B.ज्ञान से*

एक दिन भगवान जरूर मिलेगा। कोई न कोई रूप में भगवान मिलेगा। क्या करेंगे? जरूर सद्गति करेंगे क्योंकि वह है ही सर्व का सद्गति दाता। कहते हैं भगवान पतित-पावन है, ज्ञान का सागर है। *ज्ञान से ही सद्गति होती है।*

उत्तर 14- *D. A और B*

एक दिन भगवान जरूर मिलेगा। कोई न कोई रूप में भगवान मिलेगा। क्या करेंगे? जरूर सद्गति करेंगे क्योंकि *शिवबाबा है ही सर्व का सद्गति दाता भगवान को फादर भी कहते हैं तो बुद्धि में आना चाहिए ना कि दो फादर हो गये - लौकिक और पारलौकिक। शिवबाबा है पारलौकिक बाप वह परम आत्मा है सभी आत्माओं का पिता।* तो सभी के दो बाप हो गये। एक निराकारी, एक साकारी।

उत्तर 15- *B.ज्ञान सागर भगवान आया हुआ है*

तुम बच्चे जानते हो ज्ञान की बरसात तो सभी पर पड़ नहीं सकती है लेकिन *यह आवाज़ सभी के कानों तक अवश्य जायेगा कि ज्ञान सागर भगवान आया हुआ है*। तुम्हारा मुख्य है योग। ज्ञान भी तुम सुनते हो बाकी बरसात तो सारी दुनिया में पड़ती है।

उत्तर 16- *A.सौ गुणा सजा खायेंगे*

अगर क्षीरखण्ड होकर नहीं रहेंगे तो स्वर्ग में ऊंच पद पा नहीं सकेंगे, बहुत सजा खायेंगे। *बाप का बनकर फिर अगर लूनपानी हो रहते हैं तो सौगुणा सजा खायेंगे।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (66) खण्ड - {132}

प्रश्न 1- अटेन्शन कौन सी सर्विस पर जायेगा ?

A- मनसा

B- स्थूल

C- रूहानी

D- कर्मणा

प्रश्न 2- किस को बाप का प्यार नहीं मिलता है ?

A- मनुष्य

B- संन्यासी

C- अनाथ

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- कौनसी स्मृति ही सदा न्यारा और प्यारा बना देती है ?

A- निराकारी दुनिया और निराकारी रूप की

B- ब्राह्मण जीवन की

C- अवतरण की

D- फरिश्तेपन की

प्रश्न 4- बैज लेकर रोज़ मन्दिरों में जाकर क्या समझाओ ?

A- यह लक्ष्मी-नारायण कैसे बनें ?

B- फिर कहाँ गये ?

C- कैसे राज्य-भाग्य पाया ?

D- A और C

E- A, B और C

प्रश्न 5- ....से अपना घर वा स्वर्ग देख सकते हैं ?

A- दिव्य दृष्टि

B- ज्ञान से

C- आत्मा से

D- साक्षात्कार से

प्रश्न 6- सब मनुष्य मात्र क्या जानते हैं ?

A- पहले हम आत्मा हैं, पीछे शरीर मिलता है

B- परमात्मा को

C- मेरे अन्दर आत्मा है

D- मैं आत्मा हूँ

प्रश्न 7- कौन से वर्ण सिर्फ भारतवासियों के हैं ?

A- शूद्र वर्ण

B- सूर्यवंशी

C- चन्द्रवंशी

D- B और C

E- A, B और C

प्रश्न 8-......... वर्ष की पुरानी चीजें होंगी, नीचे से खोदकर निकालते हैं ना ?

A- हजारों वर्ष

B- लाखों

C- 5000

D- 2500 वर्ष

प्रश्न 9- झाड़ के फाउन्डेशन में कौन कौन है ?

A- हम ब्राह्मण बच्चे

B- सूर्यवंशी

C- चन्द्रवंशी

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- जो माला सिमरण करते वह किस का यादगार है ?

A- जो बाप के मददगार बन बाप की सर्विस करते हैं।

B- जो पूरा श्रीमत पर चलते हैं।

C- जो सदा एक रस अवस्था में रहते हैं।

D- सूर्यवंशी चन्द्रवंशी की।

प्रश्न 11- क्रिश्चियन भी कहते हैं ?

A- क्राइस्ट से 3 हज़ार वर्ष पहले भारत हेवन था।

B- यह समझते हैं भारत बहुत पुराना है।

C- लक्ष्मी-नारायण राज्य करते थे।

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 12- बड़ा परिवार किस का है ?

A- रावण का

B- ब्राह्मणों का

C- शिव बाबा का

D- देवी-देवताओं का

प्रश्न 13- सांवल शाह कौन है ?

A- बापदादा

B- हम ब्राह्मण बच्चे

C- शिवबाबा

D- ब्रम्हाबाबा

प्रश्न 14- कौन सा श्रेष्ठ कर्तव्य करना है ?

A- सभी को बाप का पैगाम देने का।

B- कांटे से खुशबूदार फूल बनना।

C- कलियुगी मनुष्यों को सतयुगी देवता बनाना।

D- निर्विकारी बनना।

प्रश्न 15- यहाँ तो..... स्वयं पढ़ाने आये हैं ?

A- निराकारी

B- अमरनाथ बाबा

C- शिक्षक

D- सतगुरु

प्रश्न 16- तीन फ्लोर हैं । पहला फ्लोर कौन सा है ?

A- कोई नहीं

B- मूलवतन

C- सूक्ष्मवतन

D- स्थूलवतन

भाग (66) खण्ड {132} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *C.रूहानी*

जैसे गंगे ने शंकराचार्य को समझाया, ऐसे-ऐसे सर्विसएबुल बच्चे तो बाप की दिल पर चढ़ते हैं। यूँ तो स्थूल सर्विस भी है परन्तु *बाबा का अटेन्शन रूहानी सर्विस पर जायेगा,* जो बहुतों का कल्याण करते हैं।

उत्तर 2 - *B.संन्यासी*

जैसे लौकिक बाप बच्चों के साथ रहते, खाते खिलाते हैं, यह है बेहद का बाप। *संन्यासियों आदि को बाप का प्यार नहीं मिलता है।* तुम बच्चे जानते हो कल्प-कल्प हमको बेहद के बाप का प्यार मिलता है।

उत्तर 3 - *A.निराकारी दुनिया और निराकारी रूप की*

निराकारी दुनिया और निराकारी रूप की स्मृति ही सदा न्यारा और प्यारा बना देती है। हम हैं ही निराकारी दुनिया के निवासी, यहाँ सेवा अर्थ अवतरित हुए हैं। हम इस मृत्युलोक के नहीं लेकिन अवतार हैं सिर्फ यह छोटी सी बात याद रहे तो उपराम हो जायेंगे

उत्तर 4 - *E. A, B और C*

बैज लेकर रोज़ मन्दिरों में जाकर समझाओ - यह लक्ष्मी-नारायण कैसे बनें? फिर कहाँ गये, कैसे राज्य-भाग्य पाया? मन्दिर के दर पर जाकर बैठो। कोई भी आये बोलो, यह लक्ष्मी-नारायण कौन हैं, कब इन्हों का भारत में राज्य था? हनूमान भी जुत्तियों में जाकर बैठता था ना। उसका भी रहस्य है ना। तरस पड़ता है। सर्विस की युक्तियाँ बाबा बहुत बतलाते हैं।

उत्तर 5 - *A.दिव्य दृष्टि*

भल इन आंखों से देखो परन्तु याद बाप को करना है। आत्मा को अब नॉलेज मिली है। अब हमको घर जाना है फिर वैकुण्ठ में आयेंगे। आत्मा को समझ सकते हैं, देख नहीं सकते, वैसे यह भी समझ सकते हैं। *हाँ दिव्य दृष्टि से अपना घर वा स्वर्ग देख सकते हैं।*

उत्तर 6 - *C.मेरे अंदर आत्मा है*

रूहानी बाप बैठ रूहानी बच्चों को समझाते हैं। *सब मनुष्य मात्र यह जानते हैं कि मेरे अन्दर आत्मा है।* जीव आत्मा कहते हैं ना। पहले हम आत्मा हैं, पीछे शरीर मिलता है। कोई ने भी अपनी आत्मा को देखा नहीं है।

उत्तर 7- *E. A, B और C*

तुम पहले शूद्र वर्ण में थे, अभी ब्राह्मण वर्ण में हो। यह वर्ण सिर्फ भारतवासियों के हैं। और कोई भी धर्म को ऐसे नहीं कहेंगे - ब्राह्मण वंशी, सूर्यवंशी। फिर तुम सूर्यवंशी से चन्द्रवंशी बन जाते हो। पुनर्जन्म तो लेते हो ना

उत्तर 8- *D.2500 वर्ष*

जिनके चित्र हैं उन्हों की बायोग्राफी को तो जानना चाहिए ना। कह देते फलानी चीज़ लाखों वर्ष पुरानी है। अब वास्तव में पुराने ते पुराना है आदि सनातन देवी-देवता

धर्म। उनके आगे तो कोई चीज़ हो नहीं सकती। *बाकी सब 2500 वर्ष की पुरानी चीजें होंगी, नीचे से खोदकर निकालते हैं ना।*

उत्तर 9- *D.उपरोक्त सभी*

अभी यह सारा झाड़ खलास होना है, फिर तुम्हारा फाउन्डेशन लगेगा। *तुम हो इस झाड़ के फाउन्डेशन। उसमें सूर्यवंशी चन्द्रवंशी दोनों हैं।* सतयुग-त्रेता में जो राज्य करने वाले थे, उन्हों का अभी धर्म ही नहीं हैं, सिर्फ चित्र हैं।

उत्तर 10- *A.जो बाप के मददगार बन बाप की सर्विस करते हैं*

लक्ष्मी-नारायण कोई एक नहीं, इन्हों की डिनायस्टी होगी ना फिर उन्हों के बच्चे राजा बनते होंगे। राजायें तो बहुत बनते हैं ना। सारी माला बनी हुई है।

माला को ही सिमरण करते हैं ना। जो बाप के मददगार बन बाप की सर्विस करते हैं उन्हों की ही माला बनती है।

उत्तर 11- *D. A और B*

शिवबाबा आते भी भारत में ही हैं। भारत को ही शिव भगवान से स्वर्ग का वर्सा मिलता है। क्रिश्चियन भी कहते हैं *क्राइस्ट से 3 हज़ार वर्ष पहले भारत हेवन था। राज्य कौन करते थे? यह किसको पता नहीं है। बाकी यह समझते हैं भारत बहुत पुराना है।*

उत्तर 12- *A.रावण का*

आत्मायें सब परमधाम से आती रहती हैं। आते-आते झाड़ बढ़ता है। फिर जब झाड़ जड़जड़ीभूत अवस्था को पाता है तो *कहा जाता है राम गयो रावण गयो, जिनका बहु परिवार है।* अनेक धर्म हैं ना। हमारा परिवार कितना छोटा है। यह सिर्फ ब्राह्मणों का ही परिवार है।

उत्तर 13- *D.ब्रह्माबाबा*

यह ब्रह्मा सांवल शाह है ना। पहले गोरा था, अभी सांवरा बना है तब तो श्याम सुन्दर कहते हैं। तुम जानते हो हम सुन्दर थे, अब श्याम बने हैं फिर सुन्दर बनेंगे। सिर्फ एक क्यों बनेगा? एक को सर्प ने डसा क्या? सर्प तो माया को कहा जाता है ना। विकार में जाने से सांवरा बन जाते हैं।

उत्तर 14- *C.कलियुगी मनुष्यों को सतयुगी देवता बनाना*

अपनी एक्यूरेट एम ऑबजेक्ट को सामने रख पूरा पुरूषार्थ करना है। *डबल अहिंसक बन कलियुगी मनुष्यों को सतयुगी देवता बनाने का श्रेष्ठ कर्तव्य करते रहना है।*

उत्तर 15- *B.अमरनाथ बाबा*

अमरनाथ पर सिर्फ दर्शन करने के लिए कहाँ-कहाँ से जाते हैं। *यहाँ तो अमरनाथ बाबा स्वयं पढ़ाने आये हैं।

* तुमको विश्व का मालिक बनाने आया हूँ। तुम बहाना करते रहते हो। सवेरे अमृतवेले तो कोई भी आ सकते हैं। उस समय कोई डर नहीं है।

उत्तर 16- *D.स्थूलवतन*

ब्रह्मा-विष्णु-शंकर को भी भगवान नहीं कहेंगे। वह भी सूक्ष्मवतनवासी देवतायें हैं। यहाँ हैं मनुष्य। यहाँ देवतायें नहीं हैं। यह है मनुष्य लोक। यह लक्ष्मी-नारायण आदि दैवीगुण वाले मनुष्य हैं, जिसको डिटीज्म कहा जाता है। *तीन फ्लोर हैं ना। हम हैं थर्ड फ्लोर पर। सतयुग के जो दैवीगुण वाले मनुष्य हैं वही फिर आसुरी गुण वाले बन जाते हैं।*